

सेंक्रेस 59,832.97 निपटी 17,599.15

तापमान

अधिकतम 36 °C  
न्यूनतम 20 °C

# समृद्धि न्यूज़

## समृद्धि समाज का आधार



आम जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी भूल गई भाजपा सरकार : गोप

पेज-02

हम अपनी सरकार का रिपोर्ट कार्ड लेकर है जनता के बीच : भूपेंद्र चौधरी

पेज-03

तर्फ 10 | अंक 229 | लखनऊ, 10 अप्रैल सोमवार, 2023 | पृष्ठ 12 | नृत्य 2.00

www.samridhisamachar.com, info@samridhinews.com

अद्वारहावं रोज़ा

सुनी	शिया
इप्तार	इप्तार
6.30	6.40
साहस्री	साहस्री
4.28	4.18

## संक्षिप्त समाचार

अपनी ही सरकार के खिलाफ अनशन करेंगे सचिन पायलट जयपुर। राजस्थान में सचिन पायलट ने एक बार फिर अपनी ही पार्टी की सरकार पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पायलट ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई। उन्होंने कहा, फैसले मुख्यमंत्री गहलत से पूर्ण रुकुंसुधार राजे के खिलाफ शिकायत की थी, लेकिन गहलत से कोई एवश्वान नहीं लिया।

**राहुल गांधी के एक और मानवानि का केस होगा दर्ज**

दिसंसुरु। असम के मुख्यमंत्री हमें बिल्डिंग विस्थार सर्वानुमति नहीं देता रखा था। उन्होंने कारपर्स के पूर्व 5 नेताओं को भी अड़ाणी से जोड़ा था। उन्होंने टिवटर पर एक फोटो शेयर की।

**दिल्ली के सेक्रेट हार्ट चर्च पहुंचे पीएम मोदी**

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज महाराजगंज के जीएसीएस इंटर कॉलेज के मैदान से नगर निकाय चुनाव को घोषित कर दी। सीएम योगी ने लोगों से भाजपा को बोट देने की अपील करते हुए कहा कि सभी संस्थाओं में एक ही विचारधारा की सरकार होने से विकास की योजनाओं को गति मिलती है। उन्होंने कहा कि जाति के नाम पर बांटने संकट के समय भाग जाते हैं। ऐसे लोगों से भाजपा को बोट करने की अपील करते हुए कहा कि योजनाओं को पहुंचाया है।

**हरियाणा के पूर्व सीएम की गाड़ी का एक्सीडेंट**

चंडीगढ़। हरियाणा के हिसार में पूर्व एस्ट्रोफ्लू सिंह हुड़ड़ा के काफिले का एक्सीडेंट हो गया। उक्त कार के सामने आगे बढ़ी थी क्षतिग्रस्त हो गई। कार के एयरबैग खुले गए थे ताकि कारण भूपेंद्र सिंह हुड़ड़ा को कुछ नहीं हुआ।

**अंडमान-निकोबार आईलैंड पर एक ही दिन में भूकंप के 3 झटके**

पैर्टी लेयर। निकोबार आईलैंड पर रविवार दोपहर कीरी 4.40 बजे भूकंप के जटिला महसूस किया गया। रिवरटर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.2 अड़ी गई। इसके पहले दोपहर 2.59 बजे अंडमान-निकोबार आईलैंड पर भूकंप का जटिला महसूस किया गया था। इसकी तीव्रता रेपर्टर पैमाने पर 4.1 अड़ी गई। इसका सेटर जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई में था।

**कोरोना का गार**

दिल्ली, केरल, महाराष्ट्र में नए केस घटे, देश में हर 10 लाख लोगों में सिर्फ 2 को कोरोना

**बीते 24 घंटे में कोरोना के 5357 केस, 11 मौतें**

लखनऊ, समृद्धि न्यूज़

यूपी में दो चरणों में होगा निकाय चुनाव: 13 मई को आएगा रिजल्ट, आचार संहिता लागू

## चार और 11 मई को होगी वोटिंग



## रिपोर्ट आने के बाद ही कराया जाएगा चुनाव

28 दिसंबर 2022 को सोलिसिटर जनरल तुशार मेहता ने मामले को सुनीम कोर्ट में मैंशन किया। उन्होंने कहा कि डीलिमिटेशन की प्रक्रिया चल रही है। सरकार ने ऑबीसी आयोग का गठन कर दिया है। स्थानीय निकाय चुनाव अब आयोग की रिपोर्ट आने के बाद ही कराया जाएगा। इसके बाद रिटार्ड जरिट्स राम अवतार सिंह को आयोग का अध्यक्ष के रूप में कुल 707 निकाय हैं। इसमें 17 नगर निगम, 199 नगर पालिका और 544 नगर पायलट के खिलाफ शिकायत की थी, लेकिन गहलत से कोई एवश्वान नहीं की गई।

राज्य निवाचन की विवादित आयोग ने एक बार फिर अपनी ही सरकार के खिलाफ अनशन करेंगे सचिन पायलट जयपुर। राजस्थान में सचिन पायलट ने एक बार फिर अपनी ही सरकार पर दाव कर दिए हैं। पायलट ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई। उन्होंने बताया कि यूपी में कुल 707 निकाय हैं। इसमें 17 नगर निगम, 199 नगर पालिका और 544 नगर पायलट के खिलाफ शिकायत की थी, लेकिन गहलत से कोई एवश्वान नहीं की गई।

राज्य निवाचन की विवादित आयोग ने एक बार फिर अपनी ही सरकार के खिलाफ अनशन करेंगे। जबकि नगर पायलट का चुनाव मत पेटिका से कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि यूपी में कुल 707 निकाय हैं। इसमें 17 नगर निगम, 199 नगर पालिका और 544 नगर पायलट के खिलाफ शिकायत की थी, लेकिन गहलत से कोई एवश्वान नहीं की गई।

राज्य निवाचन की विवादित आयोग ने एक बार फिर अपनी ही सरकार के खिलाफ अनशन करेंगे। जबकि नगर पायलट का चुनाव मत पेटिका से कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि यूपी में कुल 707 निकाय हैं। इसमें 17 नगर निगम, 199 नगर पालिका और 544 नगर पायलट के खिलाफ शिकायत की थी, लेकिन गहलत से कोई एवश्वान नहीं की गई।

राज्य निवाचन की विवादित आयोग ने एक बार फिर अपनी ही सरकार के खिलाफ अनशन करेंगे। जबकि नगर पायलट का चुनाव मत पेटिका से कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि यूपी में कुल 707 निकाय हैं। इसमें 17 नगर निगम, 199 नगर पालिका और 544 नगर पायलट के खिलाफ शिकायत की थी, लेकिन गहलत से कोई एवश्वान नहीं की गई।

राज्य निवाचन की विवादित आयोग ने एक बार फिर अपनी ही सरकार के खिलाफ अनशन करेंगे। जबकि नगर पायलट का चुनाव मत पेटिका से कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि यूपी में कुल 707 निकाय हैं। इसमें 17 नगर निगम, 199 नगर पालिका और 544 नगर पायलट के खिलाफ शिकायत की थी, लेकिन गहलत से कोई एवश्वान नहीं की गई।

राज्य निवाचन की विवादित आयोग ने एक बार फिर अपनी ही सरकार के खिलाफ अनशन करेंगे। जबकि नगर पायलट का चुनाव मत पेटिका से कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि यूपी में कुल 707 निकाय हैं। इसमें 17 नगर निगम, 199 नगर पालिका और 544 नगर पायलट के खिलाफ शिकायत की थी, लेकिन गहलत से कोई एवश्वान नहीं की गई।

राज्य निवाचन की विवादित आयोग ने एक बार फिर अपनी ही सरकार के खिलाफ अनशन करेंगे। जबकि नगर पायलट का चुनाव मत पेटिका से कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि यूपी में कुल 707 निकाय हैं। इसमें 17 नगर निगम, 199 नगर पालिका और 544 नगर पायलट के खिलाफ शिकायत की थी, लेकिन गहलत से कोई एवश्वान नहीं की गई।

राज्य निवाचन की विवादित आयोग ने एक बार फिर अपनी ही सरकार के खिलाफ अनशन करेंगे। जबकि नगर पायलट का चुनाव मत पेटिका से कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि यूपी में कुल 707 निकाय हैं। इसमें 17 नगर निगम, 199 नगर पालिका और 544 नगर पायलट के खिलाफ शिकायत की थी, लेकिन गहलत से कोई एवश्वान नहीं की गई।

राज्य निवाचन की विवादित आयोग ने एक बार फिर अपनी ही सरकार के खिलाफ अनशन करेंगे। जबकि नगर पायलट का चुनाव मत पेटिका से कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि यूपी में कुल 707 निकाय हैं। इसमें 17 नगर निगम, 199 नगर पालिका और 544 नगर पायलट के खिलाफ शिकायत की थी, लेकिन गहलत से कोई एवश्वान नहीं की गई।

राज्य निवाचन की विवादित आयोग ने एक बार फिर अपनी ही सरकार के खिलाफ अनशन करेंगे। जबकि नगर पायलट का चुनाव मत पेटिका से कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि यूपी में कुल 707 निकाय हैं। इसमें 17 नगर निगम, 199 नगर पालिका और 544 नगर पायलट के खिलाफ शिकायत की थी, लेकिन गहलत से कोई एवश्वान नहीं की गई।

राज्य निवाचन की विवादित आयोग ने एक बार फिर अपनी ही सरकार के खिलाफ अनशन करेंगे। जबकि नगर पायलट का चुनाव मत पेटिका से कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि यूपी में कुल 707 निकाय हैं। इसमें 17 नगर निगम, 199 नगर पालिका और 544 नगर पायलट के खिलाफ शिकायत की थी, लेकिन गहलत से कोई एवश्वान नहीं की गई।

राज्य निवाचन की विवादित आयोग ने एक बार फिर अपनी ही सरकार के खिलाफ अनशन करेंगे। जबकि नगर पायलट का चुनाव मत पेटिका से कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि यूपी में कुल 707 निकाय हैं। इसमें 17 नगर निगम, 199 नगर पालिका और 544 नगर पायलट के खिलाफ शिकायत की थी, लेकिन गहलत से कोई एवश्वान नहीं की गई।

राज्य निवाचन की विवादित आयोग ने एक बार फिर अपनी ही सर

# आम जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी भूल गई भाजपा सरकार: गोप

समृद्धि न्यूज़। बाराबंकी

मौजुदा सरकार आम जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी भूल चुकी है पर हम समाजवादी लोग सरकार को आम जनता की समस्याएं एवं सरकार की जनता के प्रति क्या जिम्मेदारी है इस की याद दिलते रहेंगे और जब तक जन समस्याएं समाप्त नहीं होगी हम समाजवादी चुप नहीं बैठेंगे।

उक्त विचार समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पूर्व कैनिंघट मंत्री अरविंद कुमार सिंह गोप ने पूर्व प्रमुख नहीं सिंह यादव की अध्यक्षता एवं निर्वाचित जिला सचिव पवन वर्मा के संचालन में विश्वास्रत्तम जैरपुर के ग्राम सभा मुरलीगंज में आकाश विश्वकर्मा द्वारा आयोजित स्वागत सम्मान समारोह में व्यक्त किए। राष्ट्रीय सचिव ने कहा कि हर जाति व धर्म के लोगों को साथ जोड़कर चलाना ही समाजवादी पार्टी का लक्ष्य, हर बूथ पर हवालारी हर धर्म के लोगों का बाबर समावेश होगा तभी हम अपने लक्ष्य को पाने में सफल होंगे। पार्टी में थबू पर संवर्धन करने वाला ही सबसे महत्वपूर्ण है सच माने में पार्टी कार्यकर्ताओं का पूरा सम्मान होना चाहिए।



का बड़ा नेता यही है इन्होंने की मेहनत और संघर्ष के बलबूते सरकारें बनती और विड़ती हैं हमारे बूथ नेताओं का सम्मान ही हमारी प्रथम प्राथमिकता है अनें वाला निकाय चुनाव हो या 2024 का लोकसभा चुनाव सब में इन बूथ नेताओं का ही महत्वपूर्ण योगदान होता है हमारे नेता अखिलेश यादव का साथ एवं उक्त विचारी हर धर्म के लोगों का बाबर समावेश होगा तभी हम अपने लक्ष्य को पाने में सफल होंगे। पार्टी में थबू पर संवर्धन करने वाला ही सबसे महत्वपूर्ण है सच माने में पार्टी कार्यकर्ताओं का पूरा सम्मान होना चाहिए।

► राष्ट्रीय सचिव ने कहा कि हर जाति व धर्म के लोगों को साथ जोड़कर चलाना ही समाजवादी पार्टी का लक्ष्य, हर बूथ पर हर धर्म के लोगों का बाबर समावेश होगा तभी हम अपने लक्ष्य को पाने में सफल होंगे।

प्रधान, जिला सचिव पवन वर्मा, लखनऊ यादव, संतोष रावत, आनंद वर्मा पूर्व प्रधान, महादूर आलम, संजय वर्मा, इंद्रपाल यादव, जिलाप्रसाद विश्वकर्मा प्रधान, राकेश वर्मा, चंद्रशेखर यादव, पूर्व प्रधान, मुरारी लाल शर्मा, कमल शर्मा, रामसंकर, कृष्ण कुमार शर्मा, कृष्णानंद विश्वकर्मा, जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र वर्मा पूर्व अजय वर्मा बबलू, नरेंद्र कीर्ति, पूर्व प्रदेश सचिव राजेश यादव बबलू, पूर्व जैतपुर चेयरमैन रियाज अहमद, प्रमुख पदाधिकारी कार्यकर्ता व भारी संख्या में ग्रामवासी माताएं बढ़ते उपस्थित रही।

## मोटे अनाज की जागरूकता के लिए किसान मोर्चा ने आयोजित की संगोष्ठी



सिंदौर बाबाबंकी। भाजपा किसान मोर्चा द्वारा रविवार को देवीगंज मण्डल में मोटे अनाज पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। किसान मोर्चा देवीगंज मण्डल के उपाध्यक्ष निमतल मिश्र के गैरिया स्थित आवास पर आयोजित इस संगोष्ठी के मुख्य अधिकारी भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष ओम प्रकाश अवध्यारह रहे। संगोष्ठी में मण्डल अध्यक्ष राकेश लोधी उपाध्यक्ष पंकज सिंह महामंत्री पंकज तिवारी अंजनी शुक्ला किसान मोर्चा के मण्डल अध्यक्ष देवीगंज सुरेश वर्मा महामंत्री आशुतोष नयायन बक्स सिंह और मोदेत थाई अदि जिला उपाध्यक्ष ने मोटे अनाज पर लोग मौजूद रहे।







## कोरोना फिर डरा रहा...

प्रेम शर्मा

महामारी की आहट असी हो तो सम्भल जाना चाहिए। कोरोना चाहिए। यद्यपि कोरोना के नए-नए वैरिएंट इन्हें घातक न हो जितने हमने पूर्व में देखे और झेले हैं। फिर भी महामारी का आतंक अब तक ब्यास है। अईआईटी कानपुर के विशेषज्ञों ने अपनी अंक गणना के अधार पर कहा कि अब कोरोना सिर्फ साधारण जुकाम और खांसी के रूप में ही रहेगा लेकिन उठाने एक भविष्यतवाणी करके चौंका दिया है। उनका कहा है कि मई 2023 के तर रोज़ 2 हजार जाने के सकते हैं। किसी भी महामारी या आहट के बाद पूरी मरम्मती नियिक्य और सिविल हो जाती है। हम नहीं हासिल करने लाते हैं। अहम सबाल है कि अगर हजारों लोग साधारण रोग के लिए भी अस्पतालों में उमड़ पड़ते हैं तो क्या इन्हाँ बड़ा बोझ़ ज़ेलाने के लिए हमारा तंत्र तैयार है। बहरत यही होगा कि सरकारी व निजी थेट्र के अस्पताल के किसी भी आपदा से निवटने के लिए अलंतर रहें तथा सतकता से कार्रवाएं। इसमें कोई सद्देह नहीं कि जब भी दूनिया के किसी भी देश में कोई महामारी आती हो तो वह इन्हाँ जल्दी नहीं जाती। मुसीबत के बारे में भी यही कहा रहा है कि बहुत नुकसान करके जाता है लेकिन यह सच है कि अगर चूनीतों के समय उपयोग कर लिये जाएं और धैर्यशीलता रखी जाए तो मुसीबत और महामारी के अपर को खस्त किया जा सकता है। एक सकारात्मक सोच है कि अगर बीमारी या मुसीबत जड़ से खस्त न हो तो हम अपने उपयोगों के दम पर हमारा दूसिया में कोरोना की भाँति से सबसे तेज़ी से उत्तर वाले देश है। हमने अपने आपको उपयोगों के बढ़ाव में बाधा जिन्होंने लॉकडाउन एक पांच दिन बाकी रहा और वह तेज़ी से उत्तर तथा अपनी अधिक व्यवस्था को भी उभार लेकिन विशेषज्ञों का गहरा कहा कि महामारी या कोरोना अभी खस्त नहीं हुआ। यह कभी भी सिंउत्र सकता है। पिछले दो महीने से कोरोना फिर सिर ऊपर रहा है और पहले जैसी परिस्थितियों पैदा न हो आओ पहले से उपयोग कर लें। कोरोना का फन इससे पहले कि वार करें हम सावधानीपूर्वक धैर्यशीलता के साथ अग्र बढ़ाव हुए इसे खस्त कर दें। एसीसीएस को खैलों में पिछले दो हफ्ते से कोरोना के केस बढ़ रहे हैं तो निश्चित रूप से हमें सावधान हो जाना चाहिए। हाँ घबराने की बात नहीं है लेकिन सावधानी व सतर्कता तो खरेने ही चाहिए। यह एक सूखी खांसी है जो कोरोना की तरह बातक तो नहीं लेकिन मरीजों किसी को भी परेशान कर सकती है। देश और राज्य सरकारें अलंतर हैं तथा बराबर लोगों को एडवाइजरी जारी करती रही हैं कि खुने स्थानों पर जाने से बचें, ज्यादा भीड़ वाले इलाकों में जाना हो तो मास्क लागाएं। जिनको शुरू, हाँ जौपी है जो अपना अधिक ध्यान रखें और इसके नाम से बचाएं नहीं। क्योंकि हमारा मानना है कि अब जो भी कोरोना हो वो जानलेवा नहीं।

## पाठ्यक्रम में संशोधन को लेकर राजनीति

**भा** रत में राजनीति बहुत ही खतरनाक मोड़ की ओर अग्रसर की भारत में कमी नहीं है। अब सरकार के उस प्रयास पर जो कि विशेष पलें हो जाना चाहिए उस पर भी राजनीति शुरू हो गई है। वैसे भी देखा जाए तो पाठ्यक्रमों में मुलाकाल के दौरान के बारे में इन्हाँ महिमामपन वाला इतिहास पढ़ाया जा रहा है जो बाकई सच नहीं था। क्योंकि उस वक्त मुगलों की सरकार थी उनके प्रस्तुत थे लेकिन यह साल करने के लिए इतिहासकारों ने जो कुछ लिखा उसे ही पाठ्यक्रम का हिस्सा बना दिया गया। अब सब बदलाव और वह आधार किया गया कि इसमें काफी कृत्ति गलत हो उसे सुधारा जा रहा है तो इस पर भी राजनीतिक रेटिंगों सेंकी जा रही है। खैर देव एक दुरुस्त आए कि अखिर एनसीआईटी ने तथ्यों के साथ किए गए बदलाव को गलत नहीं कहा जा सकता कि रस्टेंडेंस पर बोझ़ कुछ ज्यादा था, जिसे कम करने की जरूरत थी। खासकर, कोरोना महामारी और लॉकडाउन से उपर्यांतियों के बाद यह जरूरत ज्यादा तीव्रता से महसूस हो जा रही थी। इसी मुकाबले से बदलावों को फैसले साल ही हो गया था। इन बदलावों को फैसले सत्र के कारण पिछले सत्र के दौरान ये लागू नहीं किए जा सके थे। एनसीआईटी की सरकार अपने के बाद से भी यह तीसरी बार पाठ्यक्रम में बदलाव करने की जरूरत थी। खासकर, कोरोना महामारी और लॉकडाउन से उपर्यांतियों के बाद यह जरूरत ज्यादा तीव्रता से महसूस हो जा रही थी। एनसीआईटी ने तथ्यों के साथ किए गए बदलाव ने गलत नहीं कहा जा सकता कि रस्टेंडेंस पर बोझ़ कुछ ज्यादा था, जिसे कम करने की जरूरत थी। खासकर, कोरोना महामारी और लॉकडाउन से उपर्यांतियों के बाद यह जरूरत ज्यादा तीव्रता से महसूस हो जा रही थी। एनसीआईटी की फैसले सत्र के कारण पिछले सत्र के दौरान ये लागू नहीं किए जा सके थे। एनसीआईटी की सरकार अपने के बाद से भी यह तीसरी बार पाठ्यक्रम में बदलाव करने की जरूरत थी। खासकर, कोरोना महामारी और लॉकडाउन से उपर्यांतियों के बाद यह जरूरत ज्यादा तीव्रता से महसूस हो जा रही थी। एनसीआईटी की फैसले सत्र के कारण पिछले सत्र के दौरान ये लागू नहीं किए जा सके थे। एनसीआईटी की सरकार अपने के बाद से भी यह तीसरी बार पाठ्यक्रम में बदलाव करने की जरूरत थी। खासकर, कोरोना महामारी और लॉकडाउन से उपर्यांतियों के बाद यह जरूरत ज्यादा तीव्रता से महसूस हो जा रही थी। एनसीआईटी की फैसले सत्र के कारण पिछले सत्र के दौरान ये लागू नहीं किए जा सके थे। एनसीआईटी की सरकार अपने के बाद से भी यह तीसरी बार पाठ्यक्रम में बदलाव करने की जरूरत थी। खासकर, कोरोना महामारी और लॉकडाउन से उपर्यांतियों के बाद यह जरूरत ज्यादा तीव्रता से महसूस हो जा रही थी। एनसीआईटी की फैसले सत्र के कारण पिछले सत्र के दौरान ये लागू नहीं किए जा सके थे। एनसीआईटी की सरकार अपने के बाद से भी यह तीसरी बार पाठ्यक्रम में बदलाव करने की जरूरत थी। खासकर, कोरोना महामारी और लॉकडाउन से उपर्यांतियों के बाद यह जरूरत ज्यादा तीव्रता से महसूस हो जा रही थी। एनसीआईटी की फैसले सत्र के कारण पिछले सत्र के दौरान ये लागू नहीं किए जा सके थे। एनसीआईटी की सरकार अपने के बाद से भी यह तीसरी बार पाठ्यक्रम में बदलाव करने की जरूरत थी। खासकर, कोरोना महामारी और लॉकडाउन से उपर्यांतियों के बाद यह जरूरत ज्यादा तीव्रता से महसूस हो जा रही थी। एनसीआईटी की फैसले सत्र के कारण पिछले सत्र के दौरान ये लागू नहीं किए जा सके थे। एनसीआईटी की सरकार अपने के बाद से भी यह तीसरी बार पाठ्यक्रम में बदलाव करने की जरूरत थी। खासकर, कोरोना महामारी और लॉकडाउन से उपर्यांतियों के बाद यह जरूरत ज्यादा तीव्रता से महसूस हो जा रही थी। एनसीआईटी की फैसले सत्र के कारण पिछले सत्र के दौरान ये लागू नहीं किए जा सके थे। एनसीआईटी की सरकार अपने के बाद से भी यह तीसरी बार पाठ्यक्रम में बदलाव करने की जरूरत थी। खासकर, कोरोना महामारी और लॉकडाउन से उपर्यांतियों के बाद यह जरूरत ज्यादा तीव्रता से महसूस हो जा रही थी। एनसीआईटी की फैसले सत्र के कारण पिछले सत्र के दौरान ये लागू नहीं किए जा सके थे। एनसीआईटी की सरकार अपने के बाद से भी यह तीसरी बार पाठ्यक्रम में बदलाव करने की जरूरत थी। खासकर, कोरोना महामारी और लॉकडाउन से उपर्यांतियों के बाद यह जरूरत ज्यादा तीव्रता से महसूस हो जा रही थी। एनसीआईटी की फैसले सत्र के कारण पिछले सत्र के दौरान ये लागू नहीं किए जा सके थे। एनसीआईटी की सरकार अपने के बाद से भी यह तीसरी बार पाठ्यक्रम में बदलाव करने की जरूरत थी। खासकर, कोरोना महामारी और लॉकडाउन से उपर्यांतियों के बाद यह जरूरत ज्यादा तीव्रता से महसूस हो जा रही थी। एनसीआईटी की फैसले सत्र के कारण पिछले सत्र के दौरान ये लागू नहीं किए जा सके थे। एनसीआईटी की सरकार अपने के बाद से भी यह तीसरी बार पाठ्यक्रम में बदलाव करने की जरूरत थी। खासकर, कोरोना महामारी और लॉकडाउन से उपर्यांतियों के बाद यह जरूरत ज्यादा तीव्रता से महसूस हो जा रही थी। एनसीआईटी की फैसले सत्र के कारण पिछले सत्र के दौरान ये लागू नहीं किए जा सके थे। एनसीआईटी की सरकार अपने के बाद से भी यह तीसरी बार पाठ्यक्रम में बदलाव करने की जरूरत थी। खासकर, कोरोना महामारी और लॉकडाउन से उपर्यांतियों के बाद यह जरूरत ज्यादा तीव्रता से महसूस हो जा रही थी। एनसीआईटी की फैसले सत्र के कारण पिछले सत्र के दौरान ये लागू नहीं किए जा सके थे। एनसीआईटी की सरकार अपने के बाद से भी यह तीसरी बार पाठ्यक्रम में बदलाव करने की जरूरत थी। खासकर, कोरोना महामारी और लॉकडाउन से उपर्यांतियों के बाद यह जरूरत ज्यादा तीव्रता से महसूस हो जा रही थी। एनसीआईटी की फैसले सत्र के कारण पिछले सत्र के दौरान ये लागू नहीं किए जा सके थे। एनसीआईटी की सरकार अपने के बाद से भी यह तीसरी बार पाठ्यक्रम में बदलाव करने की जरूरत थी। खासकर, कोरोना महामारी और लॉकडाउन से उपर्यांतियों के बाद यह जरूरत ज्यादा तीव्रता से महसूस हो जा रही थी। एनसीआईटी की फैसले सत्र के कारण पिछले सत्र के दौरान ये लागू नहीं किए जा सके थे। एनसीआईटी की सरकार अपने के बाद से भी यह तीसरी बार पाठ्यक्रम में बदलाव करने की जरूरत थी। खासकर, कोरोना महामारी और लॉकडाउन से उपर्यांतियों के बाद यह जरूरत ज्यादा तीव्रता से महसूस हो जा रही थी। एनसीआईटी की फैसले सत्र के कारण पिछले सत्र के दौरान ये लागू नहीं किए जा सके थे। एनसीआईटी की सरकार अपने के बाद से भी यह तीसरी बार पाठ्यक्रम में बदलाव करने की जरूरत थी। खासकर, कोरोना महामारी और लॉकडाउन से उपर्यांतियों के बाद यह जरूरत ज्यादा तीव्रता से महसूस हो जा रही थी। एनसीआईटी की फैसले सत्र के कारण पिछले सत्र के दौरान ये लागू नहीं किए जा सके थे। एनसीआईटी की सरकार अपने के बाद से भी यह तीसरी बार पाठ्यक्रम में बदलाव करने की जरूरत थी। खासकर, कोरोना महामारी और लॉकडाउन से उपर्यांतियों के बाद यह जरूरत ज्यादा तीव्रता से महसूस हो जा रही थी। एनसीआई





# राजीव महेंद्र ने लगाई हैट्रिक, बने जिलाध्यक्ष

मैनपुरी, समृद्धि न्यूज़



एकाउंट पद पर निवारिंध रूप से चुना गया। वही विदेशी कुमारी सत्य प्रकाश हैमं सिंह दलवार कर्तव्य डॉ मनोज यादव डॉ अलोक यादव को उच्चाध्यक्ष किसन शाव्य प्रभारी दद्दा मुकेश चंद्र दिवेश हुए नव निवारिंध जिला लगाई राजीव यादव ने कहा कि वह संदैश शिक्षक हितों की खातिर बड़े बड़े संघर्ष मन्त्री अवधार कुमार को संयुक्त मन्त्री डॉ नीतू सिंह कौशल गुप्ता सतीश समर्थ बृजेश यादव को आंडिर तथा हरणार्थ चौहान को

मानसिंह राजपूत अशोक पाल राघवेंद्र सिंह गौरव पांडे को प्रचार मंत्री के रूप में निवारिंध रूप से निवारिंध घोषित किया गया। निवारिंध बैठक को संयोजित करते हुए नव निवारिंध जिला लगाई राजीव यादव ने कहा कि वह संदैश शिक्षक हितों में कार्य करते रहें उन्होंने कहा कि संस्टान जिला मजबूत होगा। शिक्षक इतिहास में कार्य करते रहेंगे।

## पूर्ण सहयोग सहर्ष भाव से करेंगे जनसेवा : रामशरण

इटावा, समृद्धि न्यूज़

इसके बदले में मुझे जनता का जो अर्थात् वाहन और सार्थक साबित होते हैं जब उनके मूल में सेवा और उपकार की भावना निहित हो, मेरा परिवार सफल व्यवसाय से जुड़ा है जिसके माध्यम से मैंने व्यापारी होतों के लिए काम किया है। यह बात व्यापारी एवं भाजपा नेता रामशरण गुप्ता ने कहा कि वह संकल्प है कि इटावा नगर और यांत्रों के लोगों के हित में उनकी नागरिक सुविधाओं के लिए पूर्ण सहयोग सहर्ष भाव से करेंगे। व्यापारी एवं भाजपा नेता रामशरण गुप्ता व उनकी पती शोभा गुप्ता ने प्रेसवार्ता के उपरांत उपस्थित पत्रकारों को सम्मानित भी किया।

भारतीय जनता पार्टी जिला महोबा कार्यालय में अल्पसंख्यक मोर्चों की जिला कार्यालयीन बैठक संपन्न हुई जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर जिला मीडिया प्रभारी शशांक गुप्ता उपस्थित रहे कार्यक्रम को उच्चाध्यक्ष मोर्चों के अध्यक्ष दिलीप जैन ने कहा कि वह संदैश शिक्षक हितों की खातिर बड़े बड़े संघर्षों का समाना किया है तो लेकिन इस बैठक की शुरूआत वाहन नहीं मान है और अगे भी हमें शिक्षक इतिहास में कार्य करते रहेंगे।

## आपसी सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाएं पर्व : छर्षिता गंगवार

पनवाड़ी थाना में कुलपहाड़  
सीओ ने की शांति कर्गेटी की बैठक

पनवाड़ी(महोबा), समृद्धि न्यूज़

शासन कि मंशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक अपर्ण गुप्ता के निर्देशन में कुलपहाड़ क्षेत्रिकारी हरिष्ठा गंगवार की अध्यक्षता व प्रभारी निरीक्षक शशी कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता व प्रभारी निरीक्षक शशी कुमार पाण्डेय एवं बैठक में क्षेत्र के संभ्रान्ति विदेशी वाहनों के लिए उपरांत रहे थाना पर शांति कर्गेटी की बैठक में क्षेत्र के लोगों के हित में उनकी नागरिक सुविधाओं के लिए पूर्ण सहयोग सहर्ष भाव से करेंगे। व्यापारी एवं भाजपा नेता रामशरण गुप्ता व उनकी पती शोभा गुप्ता ने प्रेसवार्ता के उपरांत उपस्थित पत्रकारों का सम्मानित करने का बाबा दाला लाभ



उसकी सूचना तुरंत थाना पुलिस को दें, जिससे समय से ऐसे लोगों को चिन्हित कर उनके बैरुद आवश्यक विभिन्न कार्यालयीन को जिसके बैरुद में संभ्रान्ति विदेशी वाहनों के लिए बड़ी बड़ी संख्या में उपरांत रहे। थाना पर शांति कर्गेटी की बैठक में क्षेत्र के लोगों के हित में उनकी नागरिक सुविधाओं के लिए उपरांत रहे। थाना पर शांति कर्गेटी की बैठक में क्षेत्र के लोगों के हित में उनकी नागरिक सुविधाओं के लिए पूर्ण सहयोग सहर्ष भाव से करेंगे। व्यापारी एवं भाजपा नेता रामशरण गुप्ता व उनकी पती शोभा गुप्ता ने प्रेसवार्ता के उपरांत उपस्थित पत्रकारों का सम्मानित करने का बाबा दाला लाभ

## जेल वाले सैयद सहित शहर में कई जगह रोजा इफ्तार

इटावा, समृद्धि न्यूज़

रमजानुल मुबारक के पवित्र महीने में जहां मस्जिदों में रोजेदारों द्वारा इटावात का सिलसिला जारी है वहाँ शहर में जगह जगह रोजेदारों के लिए रोजा अफतार का आयोजन किया गया।

जेल वाले सैयद बाबा की दरवाजा पर मोनू बरीर, पूर्व परीक्षा और अन्य बाली अवधार की अध्यक्षता व प्रभारी निरीक्षक शशी कुमार पाण्डेय एवं बैठक में क्षेत्र के लिए उपरांत रहे। थाना पर शांति कर्गेटी की बैठक में क्षेत्र के लोगों के हित में उनकी नागरिक सुविधाओं के लिए पूर्ण सहयोग सहर्ष भाव से करेंगे।



पंजतनी घटिया अजमत अली पर मून हसन की ओर से रोजेदारों के लिए रोजा अफतार का आयोजन किया गया। अफतार में मौलाना अब्दुलल हसन जैदी, हाजी कमर अब्दुस, हाजी असद, मराबू, राहम अब्दुल, शावेज नक्बी, तनवी हसन, रहत हुसैन जिजी सहित बड़ी संख्या में रोजेदारों ने शिरकत की। अफतार के बाद रोजेदारों के लिए उपरांत रहा था जब गाती देते थे उसका जबाब सिर्फ़ ये होना चाहिये कि अफतार के मूलक में अमनवैन की दुआ की गयी।

## जमीनी विवाद में दो पक्षों में हुआ विवाद, 20 लोग घायल

महोबा, समृद्धि न्यूज़

भूमि विवाद के लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। गाली गलौज के बाद दोनों पक्ष एक दूसरे पर हमलावर हो गए। दोनों पक्षों से चट्के लाठी डंडों में महिलाओं द्वारा सिर्फ़ 20 लोग घायल हो गए। दोनों पक्षों ने पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने घायलों को जिला अप्टाइल में भर्ती करा गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर छावीनी सुरक्षा कर दी है।

श्रीनारायण थाने के बीच फसल का बंटवारा करा सम्भवता करा दिया था। रविवार को खेत में दाना बीने के बीच

कहासुनी के बाद दोनों पक्ष के लोग लाठी डंडा लेकर एक दूसरे पर हमलावर हो गए। महिलाओं द्वारा सहित बीस लोग घायल हो गए। एक पक्ष

से 55 वर्षीय गाली-गलौजी परी 50 वर्षीय ममता, 20 वर्षीय पुत्र धर्मदास, 16 वर्षीय पुत्र सुरेश व 14 वर्षीय पुत्र कमला, पुरी 16 वर्षीय माया सहित 35 वर्षीय केसरी पुत्र देवल, 22 वर्षीय लखनालाल पुरी रामभरोसे, 14 वर्षीय केसरी पुत्र नोरेलाल, 26 वर्षीय रामकुमारी परी लखनालाल सहित दूसरे पक्ष से 70 वर्षीय दुर्जन उमा दर्जा परी 30 वर्षीय रामसिंह, 60 वर्षीय पहाड़ी सियारानी, 27 वर्षीय पुत्र देवीदीन सहित 45 वर्षीय किशोरीलाल, 30 वर्षीय रामसिंह पुराण लालता, 35 वर्षीय रामकली परी प्रेमचंद्र, 30 वर्षीय शाति परी रामसिंह, विशन, मोहन पुराण गाली-गलौजी के बाद दोनों पक्ष के लोग लाठी डंडा लेकर एक दूसरे पर हमलावर हो गए। महिलाओं का कहना है कि दोनों पक्षों की तहरीर आधार

पर केस दर्ज किया गया है।

जिला काग्रेस कार्यालय पर प्रेस वार्ता के बीच

कहासुनी के बाद दोनों पक्ष के लोग लाठी डंडा लेकर एक दूसरे पर हमलावर हो गए। महिलाओं द्वारा सहित बीस लोग घायल हो गए। एक पक्ष

के बीच फसल का बंटवारा करा सम्भवता करा दिया था। रविवार को खेत में दाना बीने के बीच

कहासुनी के बाद दोनों पक्ष के लोग लाठी डंडा लेकर एक दूसरे पर हमलावर हो गए। महिलाओं द्वारा सहित बीस लोग घायल हो गए। एक पक्ष

के बीच फसल का बंटवारा करा सम्भवता करा दिया था। रविवार को खेत में दाना बीने के बीच

कहासुनी के बाद दोनों पक्ष के लोग लाठी डंडा लेकर एक दूसरे पर हमलावर हो गए। महिलाओं द्वारा सहित बीस लोग घायल हो गए। एक पक्ष

के बीच फसल का बंटवारा करा सम्भवता करा दिया था। रविवार को खेत में दाना बीने के बीच

कहासुनी के बाद दोनों पक्ष के लोग लाठी डंडा लेकर एक दूसरे पर हमलावर हो गए। महिलाओं द्वारा सहित बीस लोग घायल हो गए। एक पक्ष

के बीच फसल का बंटवारा करा सम्भवता करा दिया था। रविवार को खेत में दाना बीने के बीच

कहासुनी के बाद दोनों पक्ष के लोग लाठी डंडा लेकर एक दूसरे पर हमलावर हो गए। महिलाओं द्वारा सहित बीस लोग घायल हो गए। एक पक्ष

के बीच फसल का बंटवारा करा सम्भवता करा दिया था। रविवार को खेत में दाना बीने के बीच

कहासुनी के बाद दोनों पक्ष के लोग लाठी डंडा लेकर एक दूसरे पर हमलावर हो गए। महिलाओं द्वारा सहित बीस लोग घायल हो गए। एक पक्ष

के बीच फसल का बंटवारा करा सम्भवता करा दिया था। रविवार को खेत में दाना बीने के बीच

कहासुनी के बाद दोनों पक्ष के लोग लाठी डंडा लेकर एक दूसरे पर हमलावर हो गए। महिलाओं द्वारा सहित बीस लोग घायल





